अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी का,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**PAHN111**	प्रश्नपत्र–1 विशेष स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगोन काव्य (अमीर खुसरो तथा रहीम)	**04**

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर
प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो तथा रहीम)
PAPER CODE : PAHN111

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

शैक्षिक वर्ष : [2022-23 से]

उद्देश्य (Objectives) :

1. हिंदी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।
2. छात्रों को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य–कृतियों का परिचय कराना।
3. प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्य कला से छात्रों को अवगत कराना।
4. छात्रों को हिंदी की प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित कराना।
5. छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1. छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य परंपरा से परिचित होंगे।
2. हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूक निर्माण होगी।
3. नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।
4. प्राचीन कवीयों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी. /भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

पाठ्यपुस्तकें :

1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य

संपादक : डॉ. भोलानाथ तिवारी

प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड,

नई दिल्ली – 110 002

ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ :

अ) पहेलियाँ

1. अंतर्लिपिका – 2, 7, 15,

2. बहिर्लिपिका – 2, 13,

आ) मुकरियाँ – 1, 11, 19,

इ) दो सखुन – = 10

ई) ढकोसले - 07

उ) कव्वाली - 02

ऊ) निसबते - 10

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 01)

2) रहीम ग्रंथावली : दोहावली

(1 से 50 दोहे)

संपादक : विद्यानिवास मिश्र,गोविंद रजनीश

प्रकाशक : वाणी प्रकाशन 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. अमीर खुसरो–व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता
3. अमीर खुसरो की रचनाओं में लोकरंजकता
4. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान
5. अमीर खुसरो की भाषा तथा काव्य कला
6. अमीर खुसरो की देन - कव्वाली

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

7.रहीम व्यक्तित्व एवं कृतित्व
8.रहीम के काव्य नीति
9.रहीम के काव्य में सौंदर्य वर्णन
10. रहीम के काव्य में कल्पना और यथार्थ
11. रहीम के काव्य में भाषा
12. रहीम के काव्य भावपक्ष और कलापक्ष

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / भाषा कौशल / मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50- 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100- 120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

संदर्भ ग्रंथ :

1. अमीर खुसरो – डॉ. हरदेव बाहरी
2. खुसरो की हिंदी कविता– ब्रजरत्न दास
3. अमीर खुसरो – भोलानाथ तिवारी
4. रहीम ग्रथावली – विद्यानिवास मिश्र,गोविंद रजनिश
5. मध्यकालीन कविता का पाठ – डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल
6. काव्य पराग – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
7. रहीम – रामनरेश त्रिपाठी
8. हिंदी के प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
9. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी का,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**PAHN112**	प्रश्नपत्र–2 विशेष स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)	**04**

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 2 : विशेष स्तर
आधुनिक हिंदी कथा साहित्य
(उपन्यास और कहानी)
PAPER CODE : PAHN112

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

उद्देश्य (Objectives) :

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes)

1.छात्रों में साहित्य पढने की रूचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।
2.साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल,भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।
3.समाज में अच्छे इंसान बनने की प्रवृत्ति का विकास होगा।
4.नव सृजन लेखन की प्रेरणा जागृत होगी।

अध्यापन पद्धति (Pedagogy) :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

पाठ्यपुस्तकें :

1) उपन्यास – 'अकाल में उत्सव' : पंकज सुबीर
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन, सम्राट कॉम्प्लैक्स, सीहोर- 466001(म.प्र.)

2) कहानी दशक - संपादन–हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
प्रकाशक : परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई

अध्ययनार्थ विषय:

1. हिंदी उपन्यास विधा का सामान्य परिचय
2. हिंदी उपन्यास का विकास
3. विवेच्य रचनाकार का व्यक्तित्व एव ंकृतित्व
4. 'अकाल में उत्सव' : तात्विक विवेचन

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

5. 'अकाल में उत्सव' : संवेदनाएँ
6. 'अकाल में उत्सव' : विभिन्न समस्याएँ
7. 'अकाल में उत्सव' : पात्रों का चरित्र चित्रण
8. 'अकाल में उत्सव' : शिल्प पक्ष
9. 'अकाल में उत्सव' : शीर्षक की सार्थकता

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ विषय:

1. हिंदी कहानी विधा का विकास
2. कहानी विधा के तत्व तथा आलोचना : हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के संदर्भ में

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

हिंदी श्रेष्ठ कहानियाँ

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. आकाशदिप - जयशंकर प्रसाद
3. गैंग्रीन - अज्ञेय
4. सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
5. साजिश- सूरजपाल चौहान
6. जंगल गाने लगा - अंकुश्री
7. दूसरा ताजमहल - नासिरा शर्मा
8. दुख - यशपाल

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / भाषा कौशल / मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50- 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100- 120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दिर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

————————————

संदर्भग्रंथ :

1. अट्ठारह उपन्यास : राजेंद्र यादव
2. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष–संपा. रामदरश मिश्र
3. समकालीन हिंदी उपन्यास–डॉ. विवेकी राय
4. उपन्यास : स्थिति और गति–डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
5. आज का हिंदी उपन्यास– डॉ. इंद्रनाथमदान
6. आज का हिंदी उपन्यास– डॉ. इंद्रनाथमदान
7. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि : डॉ.सत्यपाल चुघ
8. नई कहानी का स्वरूप विवेचन–डॉ. इंदु रश्मि
9. नई कहानी के विविध प्रयोग– शशि भूषण पाण्डेय शीतांषु
10. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ. पुष्पपाल सिंह
11. नई कहानी की भूमिका–कमलेश्वर
12. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति–देवीशंकर अवस्थी
13. उत्तर शती का हिंदी साहित्य–संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
14. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य –डॉ. राजेंद्र खैरनार
15. हिमांश ुजोशी का कथा साहित्य – डॉ. अनिल साळुंखे

————————————————

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**PAHN113**	प्रश्नपत्र–3 विशेष स्तर : भारतीय साहित्यशास्त्र	**04**

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर
भारतीय साहित्यशास्त्र
PAPER CODE : PAHN113

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

उद्देश्य (Objectives) :

1. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
4. साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से छात्रों को अवगत कराना।
5. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना।
6. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1. छात्र भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
2. छात्र साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।
3. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।
4. छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।

अध्यापन पद्धति (Pedagogy) :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

अध्ययनार्थ विषय :

1. रस सिद्धांत :

रस का स्वरूप, भरतमुनि का रससूत्र, रस के अवयव (अंग), रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा, करुण रस का आस्वाद।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

2. अलंकार सिद्धांत :

अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, अलंकार सिद्धांत का स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार और रस, काव्य में अलंकार का स्थान।

(तासिकाएँ 09 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट –) +

3. रीति सिद्धांत :

रीति शब्द की व्युत्पत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली।

(तासिकाएँ 06 = 15 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 01)

4. ध्वनि सिद्धांत :

ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्द–शक्ति, ध्वनि सिद्धांत का महत्व।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 01)

5. वक्रोक्ति सिद्धांत :

वक्रोक्ति की परिभाषा, आचार्य कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों का सोदाहरण परिचय, वक्रोक्ति का महत्व।

(तासिकाएँ 08 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट –) +

6. औचित्य सिद्धांत :

औचित्य का स्वरूप, आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेन्द्र का औचित्य विचार, औचित्य के भेद, अन्य सिद्धांतों के संदर्भ में औचित्य का महत्व।

(तासिकाएँ 07 = 15 घंटे श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र की रूपरेखा– डॉ. रामदास भारद्वाज
2. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव शर्मा
3. काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र –डॉ. विजयपाल सिंह
5. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य–चिंतन– डॉ. सभापति मिश्र
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चन सिंह
7. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर
8. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत– डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
9. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ. नगेंद्र
10. भारतीय काव्यशास्त्र–(खंड़–1 और 2)– आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
12. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. तेजपाल चौधरी
13. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– प्रो. हरिमोहन
14. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
15. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. जालिंदर इंगळे
16. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ. कृष्णदेव झारी

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**PAHN114**	प्रश्नपत्र–4 विशेष स्तर : विशेष साहित्यकार : कबीर	**04**

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्नपत्र 4 : विशेष स्तर
विशेष साहित्यकार : कबीर
PAPER CODE : PAHN114

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

उद्देश्य (Objectives) :

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
2. छात्रों को कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को कबीर के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
4. तत्कालीन काव्यभाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1. छात्रों को मध्ययुगीन काव्य की प्रवृत्तियों का महत्व समझेगा।
2. छात्रों में मध्ययुगीन हिंदी काव्य के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।
3. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति गहरी रूचि निर्माण होगी।
4. छात्रों में महात्मा कबीर के विचारों से प्रभावित होगें।
5. छात्र महात्मा कबीर के विचारों को वर्तमान काल के परिप्रेक्ष्य में विचार करेंगें।
6. छात्र तत्कालीन काव्यभाषा से परिचित होगें।

अध्यापन पद्धति (Pedagogy) :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
5. दोहों और पदों की प्रस्तुति।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

पाठ्यग्रंथ :

कबीर ग्रंथावली – संपादक : श्यामसुंदर दास

प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

ससंदर्भ व्याख्या के लिए केवल निम्नलिखित छंद :

1. गुरुदेव कौ अंग : 4, 20, 26, 34 = 04
2. सुमिरण कौ अंग : 4, 5, 9, 25 = 04
3. विरह कौ अंग : 3, 18, 21, 45, = 04
4. निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग : 2, 3, 9, 14 = 04

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

5. निंद्या कौ अंग : 2, 3, 4, 8 = 04
6. पद : 1, 40, 43, 59, 156, 180, 198, 251, 274, 290 = 10

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

अध्ययनार्थ विषय :

1. निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि : संत कबीर
2. कबीर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3. कबीर के धार्मिक विचार
4. कबीर काव्य में विद्रोह
5. समाज सुधारक के रूप में कबीर

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

6. कबीर का प्रेम तत्व और विरह भावना
7. कबीर का रहस्यवाद
8. कबीर के राम
9. कबीर की दार्शनिकता– ब्रह्म, जीव, माया, जगत, मोक्ष
10. कबीर की उलटबासियॉ और प्रतीक पद्धति
11. कबीर काव्य की प्रासंगिकता

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

———————

संदर्भ ग्रंथ :

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीरः संपा. विजयेंद्र स्नातक
3. कबीर की विचारधारा : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
4. कबीर साहित्य की परंपरा : आ. परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर चितंन और सर्जन : संपा. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. कबीर : एक विवेचन : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'
7. नाथ और संत साहित्य : डॉ. नागेंद्रनाथ उपाध्याय
8. हिंदी संतों का उलटबाँसी साहित्य : डॉ. रमेशचंद्र मिश्रा
9. कबीर साधना और साहित्य : डॉ. प्रतापसिंह चौहान
10. कबीर एक अनुशीलन : डॉ. रामकुमार वर्मा
11. युग पुरुष कबीर : रामचंद्र वर्मा
12. कबीर वचनामृत : संपा. डॉ. विजेंद्र स्नातक, डॉ. रमेशचंद्र मिश्र

————————————

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
II	**PAHIN 121**	प्रश्नपत्र–5 विशेष स्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य (जायसी, बिहारी और भूषण)	**04**

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर
मध्ययुगीन हिंदी काव्य
(जायसी, बिहारी तथा भूषण)
PAPER CODE : PAHIN 121

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

शैक्षिक वर्ष : [2022-23 से]

उद्देश्य (Objectives) :

1. हिंदी के भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना।
2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना ।
3. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना ।
4. मध्ययुगीन कवियों के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत कराना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1. मध्ययुगीन कवियों के विचारों को पढकर भावग्रहण तथा रसग्रहण की क्षमता निर्माण होगी।
2. मध्ययुगीन कवियों की भाषा का परिचय होगा।
3. साहित्य सृजन की प्रेरणा निर्माण होगी।
4. मध्ययुगीन संस्कृति का परिचय होगा।
5. सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से परिचित होगें।

अध्यापन पद्धति (Pedagogy) :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्–श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अध्ययन यात्रा ।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

पाठ्यपुस्तकें :

1) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी — **(तासिकाएँ 11 घंटे)**

संपादक : वासुदेवशरण अग्रवाल

प्रकाशक - साहित्य सदन,चिरगाँव झाँसी

1. मानसरोदक खंड – पदक्रम – 50,60,61,62
2. नखशिख खंड – पदक्रम – 99,100,101,102
3. नागमती वियोग खंड – पदक्रम – 341 से 344

2) बिहारी रत्नाकर : श्री. जगन्नाथ 'रत्नाकर' — **(तासिकाएँ 11 घंटे)**

प्रकाशक : प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. – 2006

ससंदर्भ व्याख्या के लिए दोहे : 1, 22, 25, 32, 38, 46, 67, 73, 76, 94, 121, 192, 201, 251, 277, 283 301, 318, 373, 388, 472, 588, 660, 663, 710

3) रीतिकाव्य धारा : संपादक : डॉ.रामचंद्र तिवारी / डॉ.रामनरश त्रिपाठी — **(तासिकाएँ 11 घंटे)**

प्रकाशक : विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी

ससंदर्भ व्याख्या : कवि भूषण के पद : 01 से 10 पद = 10

(तीनों की कुल तासिकाएँ 11+11+08=30घंटे= श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट–02)

अध्ययनार्थ कवि :

1) जायसी 2) बिहारी 3) भूषण

अध्ययनार्थ विषय : — **(तासिकाएँ 10 घंटे)**

1. जायसी – व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. पद्मावत में प्रेम भाव
3. पद्मावत के काव्य में वियोग वर्णन
4. पद्मावत में सौंदर्य वर्णन
5. पद्मावत में प्रकृति चित्रण
6. पद्मावत में चरित्र–चित्रण
7) पद्मावत की महाकाव्यात्मकता
8) पद्मावत की ऐतिहासिकता

9) बिहारी व्यक्तित्व एवं कृतित्व
10) रीतिसिद्ध कवि बिहारी
11) बिहारी का श्रृंगार वर्णन–संयोग और वियोग वर्णन
12) बिहारी का सौदर्य चित्रण
13) बिहारी की बहुज्ञता
14) बिहारी की भक्तिभावना
15) बिहारी की काव्य कला
16) सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान

(तासिकाएँ 10 घंटे)

17) भूषण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
18) भूषण के काव्य में वीर रस
19) भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना
20) भूषण की काव्य कला
21) भूषण के काव्य की भाषा – शैली
22) रीति काव्य में भूषण का योगदान

(तासिकाएँ 10 घंटे)

(तीनों की कुल तासिकाएँ 10+10+10=30घंटे= श्रेयांक/कर्मांक/केडिट – 02)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा/टेस्ट/भाषा कौ"ाल/मौखिक प्रस्तुति आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे अंक : 60

प्र"न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्र"न	12
प्र"न क्र. 2) लघुत्तरी प्र"न (50- 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्र"न क्र. 3) लघुत्तरी प्र"न (100- 120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्र"न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्र"न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्र"न (2 में से 1)	12

———————————

संदर्भ ग्रंथ :

1. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा
2. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ. इकबाल अहमद
3. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
4. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
5. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
6. पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
7. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल
8. हिंदी के प्राचीन कवि - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
9. पद्मावत – वासुदेव"ारण अग्रवाल
10. काव्य पराग - डॉ. आनंदप्रका"ा दीक्षित
11. जायसी का पद्मावत - अनुप शर्मा
12. बिहारी का तुलनात्मक अध्ययन – पं. पद्मसिंह शर्मा
13. बिहारी और उनका साहित्य – डॉ. हरवं"ालाल शर्मा / डॉ. परमानंद शास्त्री
14. बिहारी काव्य का मूल्यांकन – कि"ाोरी लाल
15. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. ओमप्रका"ा शर्मा
16. संक्षिप्त भूषण – डॉ. भगवानदास तिवारी
17. भूषण ग्रंथावली – डॉ. वि"वनाथ प्रसाद मिश्र

———————————

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी का,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
II	**PAHN122**	प्रश्नपत्र – 6 विशेष स्तर : हिंदी नाटक और रंगमंच	**04**

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर :
हिंदी नाटक और रंगमंच
PAPER CODE : PAHN122

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

उद्देश्य (Objectives) :

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकास क्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1. दैनिक जीवन में औपचारिक–अनौपचारिक अवसरोंपर उपयोग की जा रही भाषा की समझ होगी।
2. पढी–सुनी रचनाओं को जानना,समझना,अभिव्यक्त करनेमें सहायता मिलेंगी ।
3. अपने स्तरानुकूल दृश्य,श्रव्य माध्यमों की सामग्री पर अपनी राय देने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
4. साहित्य की विभिन्न विधाओं की समझ बनना और उसका आनंद उठाने में सहायता मिलेगी।
5. छात्रों में नाट्यकला की रूचि निर्माण करके नाट्यकला का विकास होगा।
6. रोजगार की दृष्टी से नाटक के तकनीकी पक्ष की समझ होगी।

अध्यापन पद्धति (Pedagogy) :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक् –श्राव्य माध्यमों /साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

पाठ्य पुस्तकें:

1. नाटक : 'फन्दी' – शंकर शेष
   प्रकाशक : पराग प्रकाशन ,3/114 कर्ण गली,
   विश्वासनगर शाहदरा , दिल्ली –32

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

2. 'आठवा सर्ग'– सुरेंद्र वर्मा
   प्रकाशक :राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि.
   2/38 अंसारी मार्ग,दरियागंज दिल्ली – 3

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

अध्ययनार्थ विषय:

1. हिंदी नाटक विधा का विकास ।
2. नाटक : परिभाषा,स्वरूप तथा तत्व।
3. शंकर शेष : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
4. तत्वों के आधार पर 'फन्दी' नाटक की समीक्षा।
5. 'फन्दी' में चित्रित समस्याएँ।
6. 'फन्दी' : शिल्पगत विशेषताएँ।
7. 'फन्दी' नाटक की प्रासंगिकता।
8. 'फन्दी' : शीर्षक की सार्थकता।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

9. सुरेंद्र वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
10. तत्वों के आधार पर 'आठवा सर्ग' नाटक की समीक्षा।
11. 'आठवा सर्ग' : चित्रित समस्याएँ।
12. 'आठवा सर्ग' : शिल्पगत विशेषताएँ।
13. 'आठवा सर्ग' : शीर्षक की सार्थकता।
14. 'आठवा सर्ग' नाटक की प्रासंगिकता।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100
अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक
(लघुत्तरी परीक्षा/टेस्ट/भाषा कौशल/मौखिक प्रस्तुति आदि)
सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50- 60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100- 120 शब्दों में) (3 मेंसे 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दिर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा – डॉ. जयदेव जनेजा
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा
3. समसामयिक हिंदी नाटकों में खंडित व्यक्तित्व अंकन – डॉ. टी. आर. पाटील
4. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता – डॉ. सत्यवती त्रिपाठी
5. हिंदी नाटक : आज–कल – डॉ. जयदेव तनेजा
6. सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक – रमेश गौतम
7. युगबोध और हिंदी नाटक – डॉ. सरिता वशिष्ठ
8. नव्य हिंदी नाटक – डॉ. सावित्री स्वरूप
9. उत्तरशती का हिंदी साहित्य : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन
10. साठोत्तरी हिंदी नाटकों में युगचेतना – डॉ.विजया गाढवे
11. दलित नारी विषयक साठोत्तर हिंदी नाटक : डॉ. प्रतिभा जावळे
12. आधुनिक हिंदी नाटक चरित्र के आयाम - डॉ.लक्ष्मी राय
13. हिंदी नाटक आजतक - डॉ.वीणा गौतम
14. रंगदर्शन - नैमिचंद्र जैन
15. आधुनिक हिंदी नाटक - गोविंद चातक

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
II	**PAHN123**	प्रश्नपत्र–7 विशेष स्तर : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	**04**

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 7 : विशेष स्तर :
पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
PAPER CODE : PAHN123

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

उद्देश्य (Objectives) :

1. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना ।
2. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना ।
3. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना ।
4. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो में साम्य–वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान करना ।
5. छात्रों को नई समीक्षा के सिद्धांतो का ज्ञान कराना ।
6. छात्रों को आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना ।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के द्वारा छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1. छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
2. छात्र साहित्य और पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से अवगत होंगे।
3. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।
4. छात्र साहित्यशास्त्रीय समीक्षा के महत्व से परिचित होगें।

अध्यापन पद्धति (Pedagogy) :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग ।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग कराना।
5. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान ।

अध्ययनार्थ विषय :

1. प्लेटो :

   काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत

2. अरस्तू के काव्य सिद्धांत :

   क) अनुकरण सिद्धांत : अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना।

   ख) विरेचन सिद्धांत : स्वरूप विवेचन, विरेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन ।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक क्रेडिट– 01)

3. उदात्त सिद्धांत :

   उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान ।

(तासिकाएँ 05 घंटे

+

4. आई. ए. रिचर्डस् का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत : काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, आई. ए. रिचर्डस् का योगदान।

तासिकाएँ 10 घंट = 15 घंटे श्रेयांक / कर्मांक क्रेडिट– 01)

5. इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत : इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत, इलियट का योगदान।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट–01)

6. विविध वाद सामान्य परिचय :

   क) प्रतीकवाद, बिंबवाद, अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंड़नवाद, उत्तरआधुनिकता – (केवल स्वरूप विवेचन तथा महत्व)

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

संदर्भ ग्रंथ :

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र
2. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. शांतिस्वरुप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र
7. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतः एक विश्लेषण – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
8. आलोचना के आधुनिकतावाद और नई समीक्षा – डॉ. शिवकरण सिंह
9. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद – सुधीश पचौरी
10. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी
11. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – संपा. देवीशंकर नवीन, सुशांतकुमार मिश्र
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चनसिंह
13. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी पर उसका प्रभाव – डॉ. रवींद्रसहाय वर्मा

14. हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास – डॉ. भगवत्‌स्वरूप मिश्र
15. आधुनिक समीक्षा – डॉ. भगवत्‌स्वरूप मिश्र
16. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र – डॉ. विष्णुदत्त राकेश
17. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सि़द्धांत – डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्‌वाज
19. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्‌धांत – डॉ. भगवत्‌स्वरूप मिश्र
20. साहित्य : विविध वाद – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

————————————————

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

एम. ए. (भाग–1)

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
II	**PAHN124**	प्रश्नपत्र–8 विशेष स्तर : विशेष विधा : हिंदी उपन्यास	**04**

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर :
विशेष विधा : हिंदी उपन्यास
PAPER CODE : PAHN124

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2022–23 से)

उद्देश्य (Objectives) :

1. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
2. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना ।
3. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
4. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
5. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषयक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कराना।
6. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
7. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना।

अपेक्षित परिणाम (Outcomes) :

1. छात्र उपन्यास विधा से अवगत होंगे।
2. छात्र उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलना करेंगे।
3. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।
4. छात्रों में सर्जक, समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि का विकास होगा।

अध्यापन पद्धति (Pedagogy) :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य साधनों/ माध्यमों का प्रयोग।
4. पी. पी. टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. विशेषज्ञों के व्याख्यान।
6. अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

विशेष अध्ययन के लिए उपन्यास :

1. त्यागपत्र – जैनेंद्रकुमार
   प्रकाशक – पूर्वोदय प्रकाशन, मुंबई
   +
2. मुक्तिपर्व – मोहनदास नैमिशराय

(तासिकाएँ 10 घंटे

तासिकाएँ 10 घंटे

   प्रकाशक – अनुराग प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
   +
3. फाँस – संजीव
   प्रकाशक – वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

तासिकाएँ 10 घंटे = 30 घंटे
श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 02)

अध्ययनार्थ विषय :

1. उपन्यास की परिभाषा, स्वरूप तथा उपन्यास के तत्व।
2. हिंदी उपन्यास का विकासक्रम–प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंदयुगीन उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास।
3. हिंदी उपन्यासों की प्रवृत्तियाँ–सामाजिक, तिलस्मी, जासूसी, राजनीतिक, आँचलिक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक उपन्यास आदि का अध्ययन।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट – 01)

4. उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन–वर्णनात्मक, डायरी, आत्मकथात्मक, पूर्वदीप्ति, चेतनाप्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, आदि।
5. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यासों का भाव पक्ष तथा कला पक्ष।
7. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण।
8. त्यागपत्र, मुक्तिपर्व और फाँस उपन्यासों का विशेष अध्ययन।

(तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट – 01)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

अंतर्गत मूल्यांकन : 40 अंक

(लघुत्तरी परीक्षा / टेस्ट / टयुटोरियल / प्रस्तुतिकरण / क्षेत्रीय अध्ययन / शोध परियोजना आदि)

सत्रांत परीक्षा : 60 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

समय : 3 घंटे	अंक : 60
प्रश्न क्र. 1) संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न	12
प्रश्न क्र. 2) लघुत्तरी प्रश्न (50–60 शब्दों में) (4 में से 3)	12
प्रश्न क्र. 3) लघुत्तरी प्रश्न (100–120 शब्दों में) (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 4) टिप्पणी (3 में से 2)	12
प्रश्न क्र. 5) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	12

————————————————

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी
2. उपन्यास स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
3. उपन्यास का काव्यशास्त्र – डॉ. बच्चन सिंह
4. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेंद यादव
5. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में चित्रित समाज जीवन – डॉ. विनय चौधरी
6. शिवप्रसाद सिंह का उपन्यास साहित्य – डॉ. राजेन्द्र खैरनार
7. महाकाव्यात्मक उपन्यासों की शिल्पविधि – डॉ. शंकर मुदगल
8. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य – डॉ. राजेंद्र खैरनार
9. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का शिल्प विधान – डॉ. पी. व्ही. कोटमे
10. गिरिराज किशोर का उपन्यास साहित्य एक अनुशीलन – डॉ. सुरेश साळुंके
11. हिंदी साहित्य नए क्षितिज – डॉ. शशिभूषण सिंहल
12. हिंदी उपन्यास समकालीन विमर्श – डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी
13. समकालीन हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष–डॉ. जालिंदर इंगले
14. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास : नए मूल्य – शशिगुप्ता

15. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र – संपा. नंदकिशोर नवल
16. अंबेडकरवादी चिंतन और दलित उपन्यास : डॉ. प्रदीप सरवदे
17. प्रेमचंद के उपन्यास : कथासंरचना – डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव
18. शिवप्रसाद सिंह के कथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. टी. मीनाकुमारी
19. हिंदी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन –डॉ. भरतसगरे
20. हिंदी उपन्यास सृजन और सिद्धांत – नरेंद्र कोहली
21. हिंदी उपन्यासों की दिशाएँ – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
22. गोदान : संवेदना और शिल्प – डॉ. चंद्रशेखर कर्ण
23. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
24. हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष – डॉ. राजेंद्र खैरनार

————————————